Pit Reverse

Dr. Dilip Kumar
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Ancient Indian History & Archaeology,
Patna University, Patna
Paper – CC-VIII, Sem. – II

सर मार्टीमर व्हीलर के मत में यदि किसी व्यक्ति ने उत्खनन की तकनीक और उसका Record रखने के कार्य को सर्वप्रथम ठोस आधार प्रदान किया तो उस व्यक्ति का नाम General Len Fox था । यह एक अंग्रेज़ था जो 1880 ई. में रिवर्स नामक जमींदारी का स्वामी बनने के पश्चात् पिट रिवर्स (Pit Reverse) के नाम से जाना गया । इन्हें ही वस्तुतः पुरातत्व के आधुनिक पद्धति का अन्वेषक माना जाना चाहिए । इन्होने अपनी जमींदारी की सीमा में संलग्न भूभागों के प्राचीन स्थानों का बीस वर्षों तक वैज्ञानिक दृष्टि से बड़ा ही विद्धतापूर्ण अन्वेषण किया । पुरातत्व के प्रति इनका सम्पूर्ण दृष्टिकोण अति आधुनिक था। ये खुदाई के दौरान अधिकाधिक यथार्थता एवं विस्तार पर जोड़ डालते थे । इनका यह स्पष्ट विचार था कि सविस्तार लेखा - जोखा के अभाव में बहुत बड़े - बड़े साक्ष्य नष्ट हो जाते है । हो सकता है की जो वस्तु आज बहुत महत्वहीन जान पड़े कल वही किसी प्रमुख समस्या के समाधान में निर्णायक सिद्ध हो सकता है ।

अतः पुरातत्व को चाहिए की खुदई से उपलब्ध सभी वस्तुओं का सविस्तार Record पूर्ण करते जाये जिससे उनका प्रयोग नई समस्याओं के समाधान में किया जा सके । इसके सिद्धान्त Three Dimensional विधि का साक्ष्य था जो आधुनिक उत्खनन विवरण उनके विवरणों की तुलना में अधिक उतम माने जायेंगे परन्तु उन्होंने अपने समय में जो किया वे बहुत ही

महत्वपूर्ण उपलब्धि माने जायेंगे। उन्हें इस बात का श्रेय भी मिलेगा कि उत्खनन सम्बन्धी अन्य व्यावसायिक समस्याओं पर उनका ध्यान गया । जैसे उन्होंने यह अनुभव किया कि पर्याप्त कार्यकर्ताओं के अभाव में उत्खनन का संचालन समुचित ढंग से नहीं किया जा सकता है। वे अपने साथ नियमित सहायक रखा करते थे जिनको समुचित प्रशिक्षित करके उपयुक्त काम में लगा दिया जाता था । उत्खनन के दौरान वे हमेशा निरीक्षण किया करते थे जिससे उनकी अनुपस्थिति के कारण कहीं किसी प्रकार की भूल न हो जाये। उत्खनन सर्वथा एक दक्ष पुरातत्वज्ञ के प्रत्यक्ष निर्देशन के अंतर्गत होना चाहिए। उन्होंने विंकल वैली के उत्खनन को अपने प्रत्यक्ष निर्देशन में शिक्षित सहायकों के सहयोग से पूरा किया वे सदैव उस स्थल पर उपस्थित रहें और उनके सहायक मजदूरों के कार्यों का निरीक्षण रेखांकन साथ ही साथ टूटे - फूटे खोपड़ियों एवं पात्रों को जोड़ने जैसे कार्यों में संलग्न रहें।

उत्खनन विधि में वैज्ञानिकता प्रदान करने के अतिरिक्त पिट रिवर्स महोदय की पुरातत्व को जो महत्वपूर्ण देन है वह है - मानव जीवन के अतीत के पुनः निर्माण सम्बन्धी । ये पुरातत्वज्ञ बनने से पहले नृतत्वशास्त्री थे और इन्होने इस विषय के ज्ञान से पुरातात्विक अध्ययन को एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया। इससे मानव समाज के अतीत के नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। नृतत्वशास्त्र का यह सिद्धान्त है कि मानव समाज का इतिहास उसमें सांस्कृतिक विकास के क्रमिक अवस्थाओं का इतिहास है । इसके अनुसार मानव समाज का निरंतर विकास होता है । और आज भी विभिन्न मानव समुदाय सामाजिक विकास के भिन्न - भिन्न अवस्थाओं में रही है जैसे Stone Age culture से अभी तक।

Taylor महोदय नृतत्वशास्त्र के जनक माने जाते है और इन्होने संसार को देखने का जो नवीन दृष्टिकोण इतिहास को दिया । उससे अतीत को वर्तमान की समस्याओं से तुलनात्मक

अध्ययन संभव हुआ। पिट रिवर्स (Pit Reverse) महोदय ने इस दृष्टिकोण को पुरातत्व में व्यावहारिक बनाया। इन्होने बताया कि उत्खनन स्वयं अपने आप में लक्ष्य नहीं है बल्कि वह लक्ष्यपूर्ति का साधन मात्र है। लक्ष्य है मानव जीवन के अतीत का नवनिर्माण। उन्होंने इस उद्देश्य को अपना मार्गदर्शक मानकर Rotherly तथा Woodcuts में पहाड़ियों के शिखर पर बसे दो गांवों का उत्खनन किया। उन्हें इस बात का भी श्रेय दिया जाता है कि उन्होंने सर्वप्रथम लकड़ी की बनी झोपड़ियों के आधार पर उन झोपड़ियों के आकार के पुनः निर्माण के लिए स्तम्भगर्तों के चिन्हों में उपयोग की विधि को अपनाया। उन्होंने कब्रों का उत्खनन बहुत ही कुशलतापूर्वक किया और उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उनके द्वारा कोई भूल होने पर वे सहर्ष उसे स्वीकार कर लेते थे।